BA Part III (Sub/GEN)

Dr Chiranjeev Kr Thakur
Sociology

Lecture V

भारत में निर्धनता के प्रमुख कारण :-

V) भौगोलिक कारण - भौगोलिक परिस्थितियाँ तथा जलवायु, मिट्टी की बनावट, खनिज सम्पदा, प्राकृतिक आपदाएँ जैसे बाढ़, सूखा भूकंप या अन्य भौगोलिक कारण निर्धनता एवं सम्पन्नता के कारण होते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में कठोर व परिश्रमी जीवन होने के कारण अधिकतर निर्धनता पाई जाती है। अरेबियन राष्ट्रों की सम्पन्नता व समृद्धि का मुख्य कारण पेट्रोलियम है। भारत में पंजाब व हरियाणा राजस्थान की तुलना में अधिक समृद्ध है। जिसका मुख्य कारण वहां की भूमि एवं हिमालय से निकलने वाली नदियों का पानी है, बाढ़ व सूखा निर्धनता को लाता है एवं उन्हें अपना पेट भरने के लिए जो कुछ भी है, उसे भी बेचने को विवश होते हैं। बंगाल का 1944 का अकाल निर्धनता की कहानी को स्पष्ट करता है, जहां भोजन के लिए माताओं ने अपने बच्चों को बेच दिया एवं स्त्रियों ने अपने सतीत्व का सौदा किया। भारत में अकाल व बाढ़ के कारण प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपयों की संपत्ति नष्ट हो जाती है।

इसी प्रकार कभी-कभी टिड्डियों का दल तथा फसलों की बीमारियां एक साथ अनेक कृषक परिवारों को निर्धनता की ओर धकेल देती हैं। राष्ट्र व व्यक्ति की संपन्नता में भौगोलिक स्थितियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

VI) शैक्षिक कारण :) भारत में निर्धनता का प्रमुख कारण निरक्षरता पाया जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त भी भारत 35% व्यक्ति निरक्षर है। निरक्षरता एवं अज्ञानता के कारण वे व्यक्ति अपनी गरीबी को भाग्य मानकर सहन करते रहते हैं। वे यह भी सोच नहीं सकते कि निर्धनता के लिए सामाजिक व्यवस्था किस सीमा तक उत्तरदायी है।

ज्ञान एवं शिक्षा की निर्धनता का एक महत्वपूर्ण कारण है परन्तु भारत में वर्तमान शिक्षा-प्रणाली ने शिक्षितों के मन में शारीरिक श्रम के प्रति नफरत व तिरस्कार की भावना ही उत्पन्न की है। इस शिक्षा-प्रणाली ने जो हमें अंग्रेज साम्राज्यवादियों से विरासत में प्राप्त हुई है, विद्यार्थियों को बाबू क्लर्क एवं अफसर बनने की प्रेरणा दी है, हर शिक्षित व्यक्ति शिक्षा प्राप्त करके कुर्सी पर बैठकर काम करना चाहता है। परिणामतः आज का शिक्षित युवक शारीरिक श्रम से हट कर मात्र नौकरी की ओर भटक रहा है। नौकरी न मिलने से बेकारी व यही बेकारी की अवस्था उसको पग-पग पर निर्धनता व अभाव का जीवन जीने को विवश करती है अथवा वह भ्रष्टाचार व अपराध का सहारा ग्रहण करता है।